News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

Cadaver Organ Donor

Lt. Uttam Deendayal Gupta

Donated His: Livar & Corneas

Date:- 12/07/2023

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."

Single patient receives heart, lungs from brain-dead man

Deemed First Dual Cadaver Donation In Gujarat

Times News Network

Surat: In what is deemed to be first in the state, a dual cadaver organ donation and transplant procedure — harvested from one person and transplanted in another — was carried out on Thursday. In this case, two vital organs — the heart and lungs — harvested from a brain-dead man in Surat were transplanted in a patient in Ahmedabad-based KD Hospital.

Friends, family of deceased Pankaj Goyal bid him adieu at the hospital

Earlier, the heart, lungs, liver and kidneys of **Pankaj Goyal** (46) were harvested in Surat and taken to Ahmedabad in 110 minutes. Air route and green corridors created by the police at both ends of Surat and Ahmedabad helped the organs reach the designated hospitals on time.

Of the four organs, the heart and lungs were transplanted in a 40-year-old Mehsana resident at the KD Hospital. Goyal's liver was transplanted in a 39-year-old patient while the two kidneys were sent to another Ahmedabad hospital for transplant.

Goyal developed health complications on July 5 and was admitted to BAPS Hospital where doctors diagnosed him with brain stroke. He was shifted to INS Hospital where he was declared brain dead on on July 11 after being checked by a team comprising Dr Anirudh Apte, Dr Ashok Patel, Dr Vikrant Sailor and Dr Nidhi Asodariya.

Donate Life, an NGO working for organ donation awareness, discussed organ donation possibilities with his family. Agreeing to donate organs, Goyal's wife Shrutkirti said: "We had some time to give new life to so many people. Hence, we agreed for donation."

Deceased, a native of Kolkata, was the chief financial officer at a Hazira-based energy company. He is survived by his parents Harikrishna Goyal and Pushpadevi, wife Shrutkirti and daughter Aditri.

"It is the first case of cadaver organ donation in Gujarat where two organs from the same person were transplanted in one person at the same time," said Nilesh Mandelwala, founder of Donate Life.

In another cadaver organ donation on Thursday, the liver and corneas of textile trader Uttam Gupta (31) were harvested. Gupta fell from the terrace of his home on July 9 and was admitted to Kiran Hospital. He was declared brain-dead on July 12 by team comprising Dr Bhaumik Thakor, Dr Hina Faldu, Dr Apeksha Parekh, Dr Darshan Trivedi and Dr Mehul Panchal.

Single patient gets heart, lungs of brain-dead man

Times News Network

Surat: In what is deemed to be the first in the state, a dual cadaver organ donation and transplant procedure — harvested from one person and transplanted in another — was carried out on Thursday. In this case, two vital organs – the heart and lungs – harvested from a brain-dead man in Surat were transplanted in a patient in Ahmedabad-based KD Hospital.

Earlier, the heart, lungs, liver, and kidneys of **Pankaj Goyal** (46) were harvested in Surat and taken to Ahmedabad in 110 minutes.

Air route and green corridors created by the police at both ends of Surat and Ahmedabad helped the organs reach the designated hospitals on time.

Of the four organs, the heart and lungs were transplanted in a 40-year-old Mehsana resident at the KD Hospital. Goyal's liver was transplanted in a 39-year-old patient while the two kidneys were sent to another Ahmedabad hospital for transplant.

Goyal developed health complications on July 5 and was admitted to BAPS Hospital where doctors diagnosed him with brain stroke.

He was shifted to INS Hospital where he was declared brain dead on July 11 after being checked by a team comprising Dr Anirudh Apte, Dr Ashok Patel, Dr Vikrant Sailor and Dr Nidhi Asodariya.

Donate Life, an NGO working for organ donation awareness, discussed organ donation possibilities with his family. Agreeing to donate organs, Goyal's wife Shrutkirti said: "We had some time to give new life to so many people. Hence, we agreed to donate."

The deceased, a native of Kolkata, was the chief financial officer at a Hazira-based energy company. He is survived by his parents Harikrishna Goyal and Pushpadevi, wife Shrutkirti, and daughter Aditri.

"It is the first case of cadaver organ donation in Gujarat where two organs from the same person were transplanted in one person at the same time," said Nilesh Mandelwala, founder of Donate Life.

सूरत से 48वां हृदयदान और 19वां फेफड़ादान

गुजरात में हृदय और फेफड़े एक ही व्यक्ति में ट्रांसप्लांट का पहला मामला

सूरत में दो जनों के अंगदान से सात को मिला नया जीवन

अंगदाता पंकज कुमार गोयल, अंगदाता उत्तम दिनदयाल गुप्ता

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

सूरत. शहर के पालनपुर निवासी व्यक्ति तथा परवत पाटिया में रामबाग पैलेस निवासी के अंगदान से सात जनों को नया जीवन मिला है। डोनेट लाइफ की मध्यस्थता से सूरत में यह 48वां हृदयदान तथा 19वां फेफड़ा दान है। सूरत से अहमदाबाद इन अंगों को भेजने के लिए दो ग्रीन कॉरिडोर बनाए गए थे। इससे सूरत से अहमदाबाद 286 किमी की दूरी 110 मिनट में तय की गई।

जानकारी के मुताबिक, मूल कोलकाता और हाल में पालनपुर गाम रोड स्तुति आइकॉन निवासी पंकज कुमार गोयल (46) एस्सार ग्रुप में भाटपोर में सीरोस एनर्जी कंपनी में सीएफओ के पद पर कार्यरत थे। पंकज को 5 जुलाई को सिरदर्द और कमजोरी महसूस होने पर सीटी स्कैन और एमआरआई जांच में ब्रेन स्ट्रोक की पुष्टि हुई। परिजन ने उन्हें आईएनएस अस्पताल में भर्ती करवाया। चिकित्सकों ने 11 जुलाई को पंकज को ब्रेनडेड घोषित किया। सूचना मिलने पर डोनेट लाइफ की टीम ने परिजनों को अंगदान के बारे में समझाया।

दूसरी घटना में मूल राजस्थान और हाल में परवत पाटिया डुंभाल रामबाग पैलेस निवासी उत्तम दीनदयाल गुप्ता (31) कपड़ा ट्रेडिंग का कार्य करते थे। 9 जुलाई को वे छत पर घूम रहे थे तभी गिर गए और सिर में चोट आई। उनको किरण अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों ने छोटे ब्रेन में मल्टीपल फैक्चर तथा सूजन बताया। चिकित्सकों ने 12 जुलाई को उत्तम को ब्रेनडेड घोषित किया। अस्पताल से डोनेट लाइफ प्रमुख निलेश मांडलेवाला ने परिजनों को अंगदान के बारे में समझाया। दोनों परिवार से स्वीकृति मिलने पर स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (एसओटीटीओ) ने हृदय और फेफड़े अहमदाबाद की के.डी. अस्पताल, दो लिवर में से एक लिवर अहमदाबाद की जायडस अस्पताल, दूसरा लिवर सूरत के किरण अस्पताल तथा दो किडनी अहमदाबाद की स्टर्लिंग अस्पताल को दी गई। गुजरात में पहली बार हृदय और फेफड़े एक साथ मेहसाणा निवासी 60 वर्षीय व्यक्ति में ट्रांसप्लांट किया गया। दान में मिला एक लिवर अहमदाबाद निवासी 39 वर्षीय व्यक्ति में, दूसरा लिवर सूरत निवासी 57 वर्षीय व्यक्ति में सूरत के किरण अस्पताल में ट्रांसप्लांट किया गया। वहीं, दोनों किडनी अहमदाबाद में दो मरीजों को ट्रांसप्लांट की गई। जबकि दोनों चक्षुओं का ट्रांसप्लांट किरण अस्पताल में दो मरीजों में किया गया। सूरत से अब तक कुल 1150 अंगों और टिश्यू का दान किया गया है। इसमें 474 किडनी, 205 लिवर, 48 हृदय, 38 फेफड़े, 8 पेन्क्रियाज, 4 हाथ, एक छोटी आंत और 372 चक्षुओं का दान से देश और विदेश में 1055 व्यक्तियों को नया जीवन और दृष्टि मिली है।

सूरत से डोनेट लाइफ द्वारा 48वें हृदय और फेफड़े के दान का 19वां आयोजन हुवा

एक ही दिन में सूरत के आईएनएस अस्पताल और किरण अस्पताल से दो और अंगदान किए गए : निलेश मांडलेवाला

घटना विवरण एक

...तो अंगदान के लिए आगे बढ़ें

मेरे बेटे के अंगों का दान करें ताकि अंग विफलता वाले रोगी को नया जीवन मिल सके

घटना विवरण दो

इन्होंने स्वीकार किया अंगों का दान

इनको मिला नया जीवन

एक दिन में दो अंगदान • गुजरात में पहली बार अहमदाबाद के अस्पताल में एक साथ एक व्यक्ति में हृदय व फेफड़े का ट्रांसप्लांट

ब्रेनडेड राजस्थानी कपड़ा व्यापारी की आंखें-लीवर व निजी कंपनी के अधिकारी के फेफड़े, हृदय, लीवर और किडनियां दान दीं, 7 को नया जीवन

दानवीर कर्ण की नगरी सूरत में आम लोग भी दान करने में हमेशा आगे रहे हैं, फिर चाहे वह अंगदान ही क्यों न हो। शहर में गुरुवार को एक ही दिन में दो ब्रेनडेड लोगों के अंग दान किए गए। इसमें 46 वर्षीय ब्रेनडेड पंकज कुमार गोयल का हृदय, फेफड़े, लीवर और किडनी और ब्रेनडेड 31 वर्षीय उत्तम दीनदयाल गुप्ता का लीवर और आंखें उनके परिजनों ने दान कीं। ये अंगदान डोनेट लाइफ संस्था के माध्यम से किए गए। इससे 7 लोगों को नया जीवन मिला। दोनों ब्रेनडेड व्यक्तियों के दान में मिले फेफड़े और हृदय अहमदाबाद के केडी हॉस्पिटल, दो लीवर में से एक अहमदाबाद के जाइडस हॉस्पिटल, दूसरा लिवर सूरत के किरण हॉस्पिटल और दोनों किडनियां अहमदाबाद के स्टर्लिंग हॉस्पिटल को दी गईं।

पंकज कुमार: फेफड़े, हृदय, लीवर व किडनियां दान

मूल रूप से कोलकाता निवासी और सूरत के पालनपुर गांव में स्तुति आईकॉन में रहने वाले पंकज कुमार एमआर ग्रुप में सीएफओ थे। पंकज को 5 जुलाई को सिर में तेज दर्द और शरीर में कमजोरी की शिकायत हुई थी। उनके परिजन उन्हें अस्पताल में इलाज के लिए ले गए। वहां सीटी स्कैन और एमआरआई से ब्रेन स्ट्रोक होने की बात सामने आई। उनके बाद उनका इलाज आईएनएस हॉस्पिटल में न्यूरो फिजिशियन डॉ. अनिरुद्ध आप्टे कराने के लिए भर्ती किया गया। वहां सीटी स्कैन में ब्रेन स्ट्रोक और दिमाग में खून जमा होने की बात पता चली। 11 जुलाई को डॉक्टर्स की टीम ने पंकज कुमार को ब्रेनडेड घोषित कर दिया। पंकज की पत्नी, पिता और उनके फेफड़े, हृदय, लीवर और किडनियां दान कर दीं।

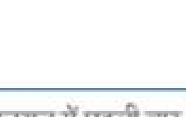

हवाई मार्ग से अहमदाबाद पहुंचाए गए अंग

दान में मिले फेफड़े, हृदय और किडनियों को सूरत एयरपोर्ट पर पहुंचाने के लिए पुलिस ने ग्रीन कॉरिडोर बनाया। अहमदाबाद की 286 किमी की दूरी 110 मिनट में हवाई मार्ग से तय की गई। इसमें राज्य में पहली बार हृदय और फेफड़े का कंबाइन ट्रांसप्लांट महेसाणा के 60 वर्षीय व्यक्ति में किया गया।

दीनदयाल गुप्ता: लीवर और आंखें दान की गईं

मूल रूप से राजस्थानी और सूरत के डुंभाल में रहने वाले उत्तम दीनदयाल गुप्ता कपड़ा व्यापारी थे। 9 जुलाई की शाम 6 बजे वह अपने घर की बालकनी से नीचे गिर गए थे। इससे उनके सिर पर गंभीर चोट लगी थी। परिजन उन्हें 108 से किरण अस्पताल में लेकर गए। वहां सीटी स्कैन कराने पर उनके दिमाग में मल्टीपल फ्रैक्चर होने की बात सामने आई। डॉक्टरों ने 12 जुलाई को उन्हें ब्रेनडेड घोषित कर दिया गया। उत्तम के पिता, काका और अन्य परिजनों को अंगदान के बारे में समझाया गया। उनके बाद उन्होंने अंगदान की सहमति दी। दीनदयाल गुप्ता का लीवर और आंखें किरण अस्पताल को दी गईं।

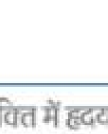

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."

गुजरात में एक ही व्यक्ति में ह्रदय और फेफड़े के प्रत्यारोपण की पहली घटना अहमदाबाद में हुई

अहमदाबाद के के.डी. अस्पताल में मेहसाणा के एक 60 वर्षीय निवासी में ह्रदय और फेफड़े का प्रत्यारोपण किया गया

सूरत। डोनेटलाइफ संस्था की ओर से एक ही दिन में सूरत के आईएनएस हॉस्पिटल और किरण हॉस्पिटल से दो और अंगदान किए गए। ब्रेनडेड पंकज कुमार गोयल के परिवार ने पंकज कुमार का हृदय, फेफड़े, लीवर और किडनी दान की तथा ब्रेनडेड उत्तम दिनदयाल गुप्ता के परिवार ने उत्तम का लीवर और आंखें डोनेट लाइफ के माध्यम से सात लोगों को दान कीं और नवजीवन बख्शा।

डोनेट लाइफ संस्था के नीलेश मांडलेवाला ने कहा है कि गुजरात में एक ही व्यक्ति में हृदय और फेफड़े प्रत्यारोपित करने का यह पहला मामला है। गुजरात में पहली बार, अहमदाबाद के के.डी. अस्पताल में मेहसाणा के एक 60 वर्षीय निवासी में हृदय और फेफड़े का प्रत्यारोपण किया गया है। डोनेट लाइफ संस्था अब तक देश-विदेश के 1050 से अधिक लोगों को अलग-अलग अंग दान कर नई जिंदगी देने में सफल रही है। कपड़ा और हीरा नगरी के नाम से मशहूर सूरत अब देश में अंग दाता शहर के रूप में ख्याति प्राप्त कर रहा है।

पंकज कुमार (उम्र 46) के परिवार ने कहा कि वह कलकत्ता का निवासी है और वर्तमान में फ्लैट नंबर सी - 802, स्तुति आइकन, स्तुति हाइलैंड्स के पास, पालनपुर ग्राम रोड पर रहते है। पंकज कुमार भटपोर ??में

एस्सार ग्रुप की सिरोस एनर्जी कंपनी में सीएफओ के पद पर कार्यरत थे।पंकज कुमार (उम्र 46) के परिवार में उनके पिता हरिकृष्ण (उम्र 74), माँ पुष्पादेवी (उम्र 69), पत्नी श्रुतकीर्ति (उम्र 45), बेटी अदित्री (उम्र 13) हैं। बेटी अदित्री हजीरा के एएमएनएस इंटरनेशनल स्कूल में 8वीं कक्षा में पढ़ती है।15 जुलाई को परिवार के सदस्यों को सिरदर्द और शरीर में कमजोरी के कारण बीएपीएस प्रमुखस्वामी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सीटी स्कैन और एमआरआई से ब्रेन स्ट्रोक का पता चला। परिवार उन्हें आगे के इलाज के लिए आईएनएस अस्पताल में एक न्यूरोफिजिशियन के पास ले गया। पंकज कुमार की पत्नी श्रुतकीर्ति ने कहा कि मेरे पति ब्रेन डेड हैं, उनकी मौत निश्चित है। शरीर राख हो जाएगा, अगर मेरे पति के अंगों के दान से ऑर्गन फेल्योर के मरीजों को नई जिंदगी मिलती है, तो मेरे लिए अंगदान करना पुण्य का काम है।

दूसरे मामले में 31 वर्षीय उत्तम दीनदयाल गुप्ता, जो राजस्थान के निवासी हैं और वर्तमान में ए-702, रामबाग पैलेस, पर्वत पाटिया, डुंभाल, सूरत में रहते हैं और कपड़ा व्यापार में लगे हुए थे। 9 जुलाई की शाम 6 बजे वह अपने घर की बालकनी से नीचे गिर गये और सिर में गंभीर चोट लगने से बेहोश हो गये।

परिजन तुरंत उत्तमभाई को 108 के जरिए किरण अस्पताल ले गए। जहां 12 जुलाई को डॉक्टरों की टीम ने उत्तम को ब्रेन डेड घोषित कर दिया। उत्तम के पिता दीनदयाल ने कहा कि मेरा बेटा ब्रेन डेड है और उसकी मौत निश्चित है। जब शरीर जलकर राख होने वाला है तो हमें उम्मीद है कि मेरे बेटे के अंग दान कर ऑर्गन फेलियर मरीज को नई जिंदगी मिलेगी। उत्तम के परिवार में पिता दीनदयाल उम्र 61, जो कपड़ा व्यापार करते हैं और अग्रवाल समाज पर्वत पाटिया के ट्रस्टी हैं। माता संतोष 60 वर्ष की हैं।

सूरत के आईएनएस अस्पताल से अहमदाबाद तक 286 किमी का अंतर।10 मिनट में हवाई मार्ग से पुरा कर गुजरात में पहली बार हृदय और फेफड़े का प्रत्यारोपण मेहसाणा निवासी 60 साल के एक शख्स में अहमदाबाद के के.डी हॉस्पिटल के डॉ. संदीप अत्तावर एवं उनकी टीम द्वारा किया गया।

दान किए गए दो लीवरों में से एक लीवर अहमदाबाद के 39 वर्षीय निवासी को ज़ाइडस अस्पताल, अहमदाबाद में प्रत्यारोपित किया गया, जबकि दूसरा लीवर सूरत निवासी एक व्यक्ति में प्रत्यारोपित किया गया। सूरत के किरण हॉस्पिटल में 57 साल के एक शख्स का ऑपरेशन किया गया। दान की गई दोनों किडनी को अहमदाबाद के स्टर्लिंग अस्पताल में दो जरूरतमंद मरीजों में प्रत्यारोपित किया गया है। किरण अस्पताल में दो जरूरतमंद मरीजों की दोनों आंखों का प्रत्यारोपण किया जाएगा। डोनेट लाइफ के माध्यम से सूरत से यह 48वां हृदय दान और 19वां फेफड़ा दान है। मानवता के इस महान यज्ञ में बहुमूल्य अंग दान करने वाले पुण्यात्मा स्व. पंकज कुमार गोयल उम्र 46 एवं स्व. उत्तम दीनदयाल गुप्ता उम्र 31 का डोनेट लाइफ सलाम करता है। सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का श्रेय उनके परिवार को दिया गया। सूरत और दक्षिण गुजरात से डोनेट लाइफ के माध्यम से कुल 1150 अंगों और ऊतकों का दान किया गया।

સુરતથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા હૃદય અને ફેફસાના દાનની વિરલ ઘટના

ડોનેટ લાઈફ સંસ્થા દ્વારા સુરતથી એક જ દિવસે વધુ બે અંગદાન INS હોસ્પિટલ અને કિરણ હોસ્પિટલથી કરાયા

સામના મિરર, સંવાદદાતા

ટેક્સટાઈલ અને ડાયમંડ સિટી તરીકે ઓળખાતું સુરત શહેર હવે દેશમાં ઓર્ગન-ડોનર શહેર તરીકે ખ્યાતિ પામી રહ્યું છે. સુરતથી એક જ દિવસમાં વધુ બે અંગદાન કરવામાં આવ્યાં છે. બે યુવકનાં અંગોના દાનને કારણે સાત વ્યક્તિને નવજીવન બક્ષી માનવતાની મહેક ફેલાવી સમાજને નવી દિશા બતાવી છે. અત્રે ઉલ્લેખનીય છે કે ગુજરાતમાં સૌપ્રથમ વખત હૃદય અને ફેફસાનું કમ્બાઈન ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મહેસાણાના રહેવાસી ૬૦ વર્ષીય વ્યક્તિમાં અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું હતું. બ્રેઈનડેડ પંકજ કુમાર ગોયલ (ઉ.વ ૪૬)ના પરિવારે તેમનાં હૃદય, ફેફસાં, લિવર અને કિડની તથા બ્રેઈનડેડ ઉત્તમ દિનદયાલ ગુપ્તા (ઉ.વ ૩૧)ના પરિવારે ઉત્તમનાં લિવર અને ચક્ષુઓનું દાન ડોનેટ લાઈફના માધ્યમથી કરી સાત વ્યક્તિને નવજીવન આપ્યું છે. હૃદય, ફેફસાં, લિવર અને કિડની સમયસર હવાઈ માર્ગે અમદાવાદ પહોંચાડવા ઈન્સ હોસ્પિટલથી સુરત એરપોર્ટ સુધીના માર્ગના બે ગ્રીન કોરિડોર સુરત શહેર પોલીસ દ્વારા બનાવવામાં આવ્યા હતા. સુરત શહેર પોલીસ દ્વારા અત્યારસુધી વિવિધ અંગો સમયસર જુદાં-જુદાં શહેરોમાં પહોંચાડવા માટે ૧૦૧ ગ્રીન કોરિડોર બનાવવામાં આવ્યા છે.

કોલકાતાના રહેવાસી અને હાલમાં સુરતના પાલનપોર ગામ રોડ ખાતે પોતાના પરિવાર સાથે પંકજ કુમાર રહેતા હતા. એસ્સાર ગ્રુપની ભાટપોરમા આવેલી સિરોસ એનર્જી કંપનીમા CFO તરીકે ફરજ બજાવતા હતા. ગત ૫ જુલાઈના રોજ માથામાં દુખાવો થતાં અને શરીરમાં નબળાઈ લાગતાં પરિવારજનોએ તેમને ખાનગી હોસ્પિટલમાં દાખલ કર્યા હતા. નિદાન માટે સીટી સ્કેન અને એમઆરઆઈ કરાવતાં બ્રેઈનસ્ટ્રોક હોવાનું નિદાન થયું હતું. પરિવારજનોએ તેમને વધુ સારવાર માટે ઈન્સ હોસ્પિટલમાં દાખલ કર્યા હતા, જેમને ૧૧ જુલાઈના રોજ બ્રેઈનડેડ જાહેર કર્યા હતા.

ડોનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પહોંચી પંકજ કુમારની પત્ની શ્રુતકીર્તિ, પિતા હરિકિશન, ભાઈ સંજીવ અને રામઅવતાર, ભાભી જયરાધા સહિતના પરિવારને અંગદાનનું મહત્ત્વ અને એની સમગ્ર પ્રક્રિયા સમજાવી હતી. પંકજ કુમારની પત્ની શ્રુતકીર્તિએ જણાવ્યું હતું કે મારા પતિ બ્રેઈનડેડ છે, તેમનું મૃત્યુ નિશ્ચિત જ છે. શરીર તો રાખ જ થઈ જવાનું છે, ત્યારે મારા પતિનાં અંગોના દાન થકી ઓર્ગન નિષ્ફળતાના દર્દીઓને નવજીવન મળતું હોય તો અંગદાન માટે અમે સંમત છીએ.

મૂળ રાજસ્થાનના રહેવાસી અને સુરતમાં કુંભાર ખાતે રહેતા ઉત્તમ દિનદયાલ ગુપ્તા કાપડ ટ્રેડિંગનો વ્યવસાય કરતા હતા. ગત ૯ જુલાઈના રોજ સાંજે ૬ કલાકે ઉત્તમ પોતાના ઘરની અગાસીમાંથી અકસ્માતે નીચે પડી જતાં તેમને માથામાં ગંભીર ઈજાઓ થવાથી બેભાન થઈ ગયા હતા. પરિવારજનોએ તેમને તાત્કાલિક ૧૦૮ મારફત કિરણ હોસ્પિટલમાં દાખલ કર્યા હતા. નિદાન માટે સીટી સ્કેન કરાવતાં નાના મગજમાં મલ્ટીપલ ફ્રેક્ચર અને સોજો હોવાનું નિદાન થયું હતું. ૧૨ જુલાઈના રોજ ઉત્તમને બ્રેઈનડેડ જાહેર કરવામાં આવ્યા હતા.

સુરતમાં બે ગ્રીન કોરિડોર બનાવાયા

હૃદય, ફેફસાં, લિવર અને કિડની સમયસર હવાઈ માર્ગે અમદાવાદ પહોંચાડવા માટે ઈન્સ હોસ્પિટલથી સુરત એરપોર્ટ સુધીના માર્ગના બે ગ્રીન કોરિડોર સુરત શહેર પોલીસ દ્વારા બનાવવામાં આવ્યા હતા. ઉલ્લેખનીય છે કે હૃદય, ફેફસાં, હાથ, નાનું આંતરડું, લિવર અને કિડની જેવા મહત્વનાં અંગો દેશનાં જુદાં-જુદાં શહેરોમાં સમયસર પહોંચાડવા માટે સુરત શહેર પોલીસ દ્વારા અત્યારસુધી ૧૦૧ ગ્રીન કોરિડોર બનાવવામાં આવ્યા છે. સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા કુલ ૧૧૫૦ અંગો અને ટિસ્યૂઓનું દાન કરાવવામાં આવ્યું

News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

સુરતમા એક જ દિવસે બે અંગદાનથી સાત વ્યક્તિને નવજીવન

ગુજરાતમાં પ્રથમવાર દાનમાં મળેલા હૃદય અને ફેફસાનું એક જ વ્યક્તિમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ

(પ્રતિનિધિ દ્વારા) સુરત, ગુરુવાર

[illegible]

પાલનપોર ગામના આધેડ પંકજકુમાર ગોયલ અને પરવટપાટીયાના યુવાન ઉત્તમ ગુપ્તાને બ્રેઈનડેડ જાહેર કરાયા બાદ અંગોનું દાન કરાયું

[illegible]

[illegible]

સુરતની APMCમાં ગેરકાયદે બાંધકામ કરાતું હોવાની ફરિયાદ

(પ્રતિનિધિ દ્વારા) સુરત, ગુરુવાર

[illegible]

શહેરમાંથી એક જ દિવસે વધુ બે વ્યક્તિનાં અંગદાન મળ્યાં

રાજ્યમાં પહેલીવાર મહેસાણાના વૃદ્ધમાં હૃદય અને ફેફસાંનું એકસાથે ટ્રાન્સપ્લાન્ટ

હેલ્થ રિપોર્ટર | સુરત

શહેરમાંથી એક જ દિવસમાં વધુ બે બ્રેનડેડ વ્યક્તિઓના અંગોનું દાન કરી 7 વ્યક્તિઓને નવુ જીવન આપવામાં આવ્યુ છે. જેમાં પાલનપોર ગામના બ્રેનડેડ યુવાનના હૃદય અને ફેફસાનું રાજ્યમાં સૌ પ્રથમ વખત કમ્બાઈન ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની કે.ડી. હોસ્પિટલમાં મહેસાણાના વૃદ્ધમાં કરાયું છે. જ્યારે 2 લિવરમાંથી એકનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદના 39 વર્ષીય યુવકમાં, બીજા લિવરનું સુરતના 57 વર્ષીય આધેડમાં, બંને કિડનીઓનું બે દર્દીઓમાં, જ્યારે બંને ચક્ષુઓનું બે જરૂરિયાતમંદ દર્દીઓમાં કરાશે.

પાલનપોર રોડ સ્તુતિ આઈકોનમાં રહેતા પંકજ કુમાર ગોયલ (46) કંપનીમાં CFO હતા. 5મીએ માથામાં દુઃખાવો થતા હોસ્પિટલમાં દાખલ કર્યા હતા જ્યાં બ્રેઈનડેડ જાહેર કરાયા હતા.

ઉત્તમ ગુપ્તા, પંકજકુમાર ગોયલ

તેવી જ રીતે ડુંભાલ રામબાગ પેલેસમાં રહેતા ઉત્તમ ગુપ્તા (31) કાપડ ટ્રેડર હતા. 9 જુલાઈએ ઘરના ટેરેસ પરથી પડી જતા માથામાં ગંભીર ઈજાઓ થઈ હતી. જેથી તેમને કિરણ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા હતા. જ્યાં બ્રેઈન ડેડ જાહેર કરાયા હતા. ડોનેટ લાઈફની ટીમે બંને મૃતકોના પરિજનોને અંગદાનનું મહત્વ સમજાવતા સંમતિ મળી હતી. ઉત્તમભાઈના પિતા દીનદયાલ (61) અગ્રવાલ સમાજ પર્વત પાટિયાના ટ્રસ્ટી છે.

SOTTOએ હૃદય અને ફેફસાં અમદાવાદની K.D હોસ્પિટલને, બેમાંથી એક લિવર અમદાવાદની ઝાયડસ હોસ્પિટલને, બીજુ સુરતની કિરણ હોસ્પિટલને અને બે કિડની અમદાવાદની સ્ટર્લિંગ હોસ્પીટલને ફાળવાયા હતાં. રાજ્યમાં સૌ પ્રથમ વખત હૃદય અને ફેફસાંનું એકસાથે મહેસાણાના 60 વર્ષીય વૃદ્ધમાં અમદાવાદની K.D હોસ્પિટલમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું છે.

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."

હૃદય-ફેફસાનું સંયુક્ત ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ગુજરાતની પ્રથમ ઘટના: છને નવજીવન

સુરત.તા.૧૩

સુરત શહેરમાં બ્રેઈનડેડ થયેલા વ્યક્તિના અંગોના દાન સુરત સહિત રાજ્યના ૬ વ્યક્તિઓમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યા હતા. ગુજરાતમાં સૌ પ્રથમ વખત સુરતની સીરોસ એનર્જી કંપનીના બ્રેઈનડેડ સીએફઓના હૃદય અને ફેફસાનું કમ્બાઈન ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની કે.ડી. હોસ્પિટલમાં વૃદ્ધમાં કરવામાં આવ્યું હતું.

મૂળ કલકત્તાના વતની અને હાલ પાલનપોરગામ સ્મૃતિ આર્કેડમાં રહેતા પંકજ કુમાર એસ્સાર ગ્રુપની સીરોસ એનર્જી કંપનીમા સીએફઓ (ચીફ ફાયનાન્સર ઓફિસર)તરીકે ફરજ બજાવી પરિવારનું ગુજરાન ચલાવતા હતા. પંકજ કુમારને તા. ૫ જુલાઈના રોજ માથામાં દુખાવો થતા અને શરીરમાં નબળાઈ લાગતા અડાજણની આયુષ હોસ્પિટલમાં ખસેડાયા હતા. જ્યાં તેમને બ્રેઈનસ્ટ્રોક અને મગજમાં સોજો હોવાનું નિદાન થયું હતું. સારવાર દરમિયાન પંકજ કુમારને બ્રેઈનડેડ જાહેર કર્યા હતા.

ડોનેટ લાઈફના નિલેશ માંડલેવાલા સહિતની ટીમે બ્રેઈનડેડ પંકજ કુમારના પરિવારથી મળી અંગદાનનું મહત્વ સમજાવ્યું હતું. પરિવારે સંમતિ આપી હતી. જેથી બ્રેઈનડેડ પંકજ કુમારના અંગો પૈકી હૃદય, ફેફસા, લિવર અને કિડનીનુ દાન સ્વીકારવામાં આવ્યું હતું.

આ ઉપરાંત પર્વત પાટિયા રામબાગ પેલેસમાં રહેતા કાપડના વેપારી ઉત્તમ દિનદયાલ ગુપ્તા(ઉ.વ.૬૧) ઘરની અગાસીમાંથી અકસ્માતે નીચે પટકાયા હતા. લાંબી સારવાર બાદ તેમને કિરણ હોસ્પિટલના તબીબોએ બ્રેઈનડેડ જાહેર કર્યા હતા.

એસ્સાર ગ્રુપની કંપનીના સીએફઓ પંકજકુમાર બ્રેઈનડેડ જાહેર થતાં તેમના પરિવારે અંગદાન કરવાનો અનુકરણીય નિર્ણય કર્યો

ડોનેટ લાઈફના સ્થાપક નિલેશ માંડલેવાલા અને તેમની ટીમે બ્રેઈનડેડ ઉત્તમ ગુપ્તાના પરિવારને મળી અંગદાનનું મહત્વ સમજાવતા તેઓએ ઓર્ગન ડોનેશન માટે સંમતિ આપી દીધી હતી. જેથી બ્રેઈનડેડ ઉત્તમ ગુપ્તાના લિવર અને ચક્ષુઓનું દાન સ્વીકારવામાં આવ્યું હતું.

ત્યારબાદ ડોનેટ લાઈફ દ્વારા સોટ્ટોનો સંપર્ક કરવામાં આવ્યો હતો. ત્યારબાદ સોટ્ટો દ્વારા હૃદય અને ફેફસા અમદાવાદની કે.ડી. હોસ્પિટલને, બે લિવરમાંથી એક લિવર અમદાવાદની ઝાયડસ હોસ્પિટલને અને બીજુ લિવર સુરતની કિરણ હોસ્પિટલને તેમજ બે કિડની અમદાવાદની સ્ટર્લિંગ હોસ્પીટલને ફાળવવામાં આવી હતી.

નોંધનીય છે કે સુરતની આઈ.એન.એસ. હોસ્પિટલથી અમદાવાદનું ૨૮૯ કિલોમીટરનું અંતર ૧૧૦ મીનીટમાં હવાઈ માર્ગે કાપીને ગુજરાતમાં સૌ પ્રથમ વખત હૃદય અને ફેફસાનું કમ્બાઈન ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મહેસાણાના વૃદ્ધમા કરવામાં આવ્યુ હતું. બે લિવર માંથી એક લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદના યુવકમાં અમદાવાદની ઝાયડસ હોસ્પીટલમાં, બીજા લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતના આધેડ વ્યક્તિમાં સુરતની કિરણ હોસ્પીટલમાં કરવામાં આવ્યું છે. દાનમાં મેળવવામાં આવેલી બંને કિડનીઓનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની સ્ટર્લિંગ હોસ્પિટલમાં બે જરૂરિયાતમંદ દર્દીઓમાં કરવામાં આવ્યું છે. તદુપરાંત બંને ચક્ષુઓનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ બે જરૂરિયાતમંદ દર્દીઓમાં કિરણ હોસ્પીટલમાં કરવામાં આવશે.

બંને બ્રેઈનડેડના હૃદય, ફેફસા, લિવર અને કિડની સમયસર હવાઈ માર્ગે અમદાવાદ પહોંચાડવામાં આવ્યા હતા. અમદાવાદ સમયસર પહોંચાડવા માટે સુરતની આઈએનએસ હોસ્પિટલથી સુરત એરપોર્ટ સુધીના માર્ગના બે ગ્રીન કોરીડોર સુરત પોલીસ દ્વારા બનાવવામાં આવ્યા હતા, જે માટે અંગો સમયસર અમદાવાદ પહોંચાડી શકાયા હતા.

એકસાથે બે વ્યક્તિના અંગદાનથી સાતને નવજીવન મળ્યું

ગુજરાતમાં સૌપ્રથમ વખત એક જ વ્યક્તિમાં હૃદય-ફેફસાંનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ

| સુરત |

સુરત શહેરમાંથી એક જ દિવસમાં બ્રેઈનડેડ બે વ્યક્તિના હૃદય, ફેફસા, કિડની, લીવર અને આંખો (અંગો)ના દાનથી સાત જરૂરિયાતમંદને નવજીવન મળ્યું છે. સાથે-સાથે ગુજરાતમાં સર્વપ્રથમ વખત એક જ વ્યક્તિમાં હૃદય અને ફેફસાંનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું.

મૂળ કોલકાતાના વતની અને હાલ પાલનપોર રોડ સ્થિત સ્તુતિ આઈકોનમાં રહેતા પંકજકુમાર ગોયલ (ઉં.વ. ૪૧) ભાટપોર ખાતેની સીરોસ એનર્જી કંપનીમાં ચીફ

ફાઈનાન્શિયલ ઓફિસર તરીકે ફરજ બજાવતા હતા. પંકજકુમારને ગત તા. ૫ જુલાઈના રોજ માથામાં દુઃખાવો થવા સાથે શરીરમાં નબળાઈ લાગતા પરિવારજનોએ હોસ્પિટલમાં ખસેડ્યા હતા. તેમને વધુ સારવાર માટે અન્ય હોસ્પિટલમાં ખસેડાયા હતા. જ્યાં ફરી સીટીસ્કેન કરાવતા બ્રેઈન સ્ટ્રોક અને મગજમાં સોજો હોવાનું નિદાન થયું હતું. દરમિયાન ગત તા. ૧૧મીએ તબીબી ટીમે તેમને બ્રેઈનડેડ ઘોષિત કર્યાં હતા. પરિવારની સંમતિ બાદ પંકજકુમારના હૃદય, ફેફસાં, લીવર અને કિડનીનું દાન કરાયું હતું.

આજ રીતે મૂળ રાજસ્થાનના વતની અને હાલ પરવત પાટિયા સ્થિત રામબાગ પેલેસમાં રહેતા ઉત્તમભાઈ દીનદયાલ ગુપ્તા (ઉં.વ. ૩૧) કાપડનો વ્યવસાય કરતા હતા. ગત તા. ૯મી જુલાઈના સાંજે ઉત્તમભાઈ અકસ્માતે તેમના ઘરની અગાસીમાંથી નીચે પડી જતા માથામાં ગંભીર ઈજાઓ થવાથી બેભાન થઈ ગયા હતા. તેમને ૧૦૮-એમ્બ્યુલન્સમાં હોસ્પિટલમાં ખસેડાયા હતા. સીટીસ્કેન સહિતની તપાસ દરમિયાન તેમના નાના મગજમાં મલ્ટિપલ ફ્રેક્ચર તેમજ સોજો હોવાનું નિદાન થયું હતું. ત્યારબાદ બુધવારે તબીબી ટીમે તેમને બ્રેઈનડેડ જાહેર કર્યા હતા. અંગદાન માટે પરિવારની સંમતિ બાદ ઉત્તમભાઈના લીવર અને ચક્ષુઓનું દાન સ્વીકારાયું હતું. આમ, ડોનેટ લાઈફના માધ્યમથી સાત વ્યક્તિઓને નવજીવન બક્ષવામાં આવ્યું છે. ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાએ જણાવ્યું હતું કે, ગુજરાતમાં સૌપ્રથમ વખત હૃદય અને ફેફસાંનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ એક જ વ્યક્તિમાં અર્થાત મહેસાણાના ૬૦ વર્ષીય વ્યક્તિમાં અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું હતું.

સુરતમાં અંગદાનની પ્રવૃતિને સૌથી વધુ વેગવંતી બનાવતી 'ડોનેટ લાઇફ' દ્વારા ૪૮મા હૃદય અને ફેફસાના દાનની ૧૯મી વિરલ ઘટના, આઇએનએસ અને કિરણ હોસ્પિટલથી એક જ દિવસમાં બે અંગદાન કરાવવામાં આવ્યા

રાજ્યમાં સૌપ્રથમ હૃદય અને ફેફસાનું કમ્બાઇન્ડ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ : બે વ્યક્તિના અંગદાનથી સાતને નવજીવન મળ્યું

વિવિધ અંગો સમયસર વિવિધ શહેરોમાં પહોંચાડવા માટે ૧૦૧ ગ્રીન કોરિડોર તરીકે સુરત પોલીસની ઉત્કૃષ્ટ કામગીરી

હૃદય, ફેફસા, લિવર તેમજ કિડની સમયસર ફ્લાઇટ મારફતે અમદાવાદ પહોંચ્યા, આઇ.એન.એસ. હોસ્પિટલથી સુરત એરપોર્ટ સુધીના માર્ગના બે ગ્રીન કોરિડોર સુરત શહેર પોલીસ દ્વારા બનાવવામાં આવ્યા
હતા ટેક્સટાઇલ અને ડાયમંડ સિટી તરીકે ઓળખાતું સુરત શહેર હવે દેશમાં 'ઓર્ગન ડોનર' તરીકે ખ્યાતિ પામી રહ્યું છે, ડોનેટ લાઇફ સંસ્થા એક હજારથી વધુ વ્યક્તિઓને નવજીવન મળ્યું

www.donatelife.org.in

DONATE LIFE

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

Date: January, 2006 to 12th July, 2023

474 KIDNEY	205 LIVER	48 HEART	38 LUNGS
08 PANCREAS	01 INTESTINE	372 CORNEA	04 HANDS

Total **1150** Organs & Tissues donated, which has given New Life & Vision to **1055** persons across Country & Globe.